मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 01 अक्टूबर 2018

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	02/10/18	03/10/18	04/10/18	05/10/18	06/10/18
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	39	39	39	38	38
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	26	26	25	26
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	0	2	2	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	74	73	72	76	78
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	17	15	14	15	16
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	5	7	6	8	9
हवा की दिशा	पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
सरसों/राया	तैयारी	सरसों/राया की बुवाई के लिए बीज व खाद की व्यवस्था करें। पूसा सरसों–25, पूसा सरसों–26, पूसा सरसों–27, एन.आर.सी.एच.बी–101, सी.एच–52, टी–59, आर.एच–30, बायो–902, जी.एम–2 व आर.एच–819 उन्नत किस्में है। बुवाई के लिए 4–5 किलो बीज प्रति हैक्टेयर पर्याप्त रहता है।
अरण्डी		अरण्डी की फसल में दीमक के नियंत्रण के लिए 4 लीटर क्लोरपायरीफास प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।
मिर्च	फल	मिर्च की फसल में माईट के नियंत्रण हेतु डाईकोफोल 18.5 ई.सी. 2.5 मिली लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
गाजर	बुवाई	गाजर की उन्नत किस्में पूसा रुधिरा, पूसा वृष्टि, पूसा केसर, पूसा मेघाली, सुपर रैड व स्लैक्सन–21 की बुवाई करें। बुवाई हेतु 5–8 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है।
पशु		बदलते मौसम में पशुओं में खुरपका–मुंहपका रोग के फैलने की संभावना रहती है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें।

(नौडल ऑफीसर)